

JHARKHAND D.El.Ed. SYLLABUS

1st YEAR



AGRAWAL PUBLICATIONS®

विषय-सूची

इस पुस्तिका में आपके विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रमानुसार हिन्दी व अंग्रेजी पुस्तकों की सूची तथा आपके निकटतम पुस्तक विक्रेता की जानकारी संलग्न है।

विशेष सूचना

कृपया उपरोक्त लोगो की पुस्तकें ही खरीदें। बाजार में इससे मिलती-जुलती अन्य पुस्तकों से सावधान रहें। इस पाठ्यक्रम को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है। कृपया विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से मिलान कर लें। किसी भी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं है।

सम्पर्क सूचना

Address: 28/115, Jyoti Block, Sanjay Place, Agra—2

Landline: 0562—4032383, 2523949, 2555500

Mobile: 9927397184, 9258088445

Fax: 0562-2523949, 4032383

E-mail : agrawalpublication@gmail.com

Website : www.booksap.com

वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन
प्रथम वर्ष

क्र. सं.	पत्र	विषय का नाम	बाह्य मूल्यांकन		आंतरिक मूल्यांकन	
			पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1	फाउण्डेशन पत्र प्रथम	नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा और शिक्षक	60	24	40	16
2	फाउण्डेशन पत्र द्वितीय	शिक्षा मनोविज्ञान	60	24	40	16
3	पंचम पत्र	हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
4	षष्ठम पत्र	अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
5	सप्तम पत्र	संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/कुडुख/नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषय-वस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
6	अष्टम पत्र	गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
7	नवम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 1—सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह शिक्षण विधि	60	24	40	16
8	दशम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 2—सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
9	एकादश पत्र	शिक्षण अभ्यास	40	16	60	24
10	द्वादश पत्र	कम्प्यूटर	—	—	100	40
11	त्रयोदश पत्र	कार्यानुभव—2 विषय, शारीरिक शिक्षा	15×2 = 30 + 20 = 50	20	15×2 = 30 + 20 = 50	20
12	चतुर्दश पत्र	सामुदायिक जीवन	—	—	100	40

डी. एल. एड. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम
फाउण्डेशन कोर्स : फाउण्डेशन पत्र : प्रथम

नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक

इकाई 1 : शिक्षा तथा इसके उद्देश्य

- शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, शिक्षा के कार्य
- शिक्षा का स्वरूप
- औपचारिक, अनौपचारिक, न-औपचारिक शिक्षा
- व्यक्ति एवं समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका
- सामाजिक एवं आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका

इकाई 2 : शिक्षण शैली की नई अवधारणा

- परिचय एवं विशेषताएँ
- परम्परागत एवं क्रियाशीलन आधारित शिक्षण की तुलना
- क्रियाशीलों के प्रकार एवं उनका परिचय

इकाई 3 : शिक्षा की विभिन्न अवधारणाएँ

- जॉन डीवी, फ्रोबेल, पेस्टालॉजी, रूसो, मारिया मॉण्टेसरी
- परिचय एवं विशेषताएँ
- प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षण की मुख्य विचारधाराएँ
- बुनियादी शिक्षा (गांधीवाद)
- सौन्दर्य विषयक शिक्षा (रवीन्द्रनाथ टैगोर)

इकाई 4 : शिक्षा में आधुनिक विचारधारा

- शिक्षा एवं आधुनिकीकरण
- शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता
- अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध के लिए शिक्षा
- पर्यावरण शिक्षा
- मानवाधिकार
- जनसंख्या शिक्षा
- मूल्य आधारित शिक्षा

इकाई 5 : शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति

- भारतीय संविधान में शिक्षा सम्बन्धी नीति
- समाजवाद, प्रजातंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के राष्ट्रीय लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य
- प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का परिचय
- 1986, 1992 एवं विद्यालय शिक्षा के नये पाठ्यक्रम का ढाँचा 2006 के मुख्य बिन्दु

इकाई 6 : झारखण्ड में प्राथमिक शिक्षा

- झारखण्ड में शिक्षा एवं साक्षरता की स्थिति
- प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में उत्पन्न समस्याएँ एवं सरकार तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किये गये प्रयास एवं सुझाव
- शिक्षक प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के तरीके, सरकार द्वारा किये प्रयास एवं सुझाव

क्रियाकलाप

- (1) महत्वपूर्ण प्रश्नों को समूह चर्चा के लिए उपलब्ध कराना, समूह का रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- (2) विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- (3) (क) शिक्षा का स्वरूप।
(ख) प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद पर आधारित क्विज एवं वाद-विवाद का आयोजन करना।
- (4) निम्नलिखित विषयों पर निबन्ध अथवा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करना—
(i) राष्ट्रीय एकता
(ii) पर्यावरण शिक्षा
(iii) मानवाधिकार
(iv) जनसंख्या शिक्षा
- (5) स्थानीय दो अनौपचारिक/न-औपचारिक शिक्षा केन्द्र जाकर उनके क्रियाकलाप से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करना और उनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED891 नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक —अतुल किशोर शाही

फाउण्डेशन कोर्स : द्वितीय पत्र

शिक्षा मनोविज्ञान

इकाई 1 : शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

- शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति (स्वरूप)
- शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र
- प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का महत्व

इकाई 2 : बाल व्यवहार का अध्ययन

- व्यवहार के सिद्धान्त
- व्यवहार के निर्धारक तत्व
- बालकों के व्यवहार के अध्ययन की विधियाँ—अवलोकन, पूछताछ/साक्षात्कार, जीवन-इतिहास विधि।

इकाई 3 : बालक की वृद्धि एवं विकास

- वृद्धि एवं विकास की अवधारणा
- विकास की मुख्य अवस्थाएँ
- विकास की अवस्थाएँ—बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक शारीरिक, बौद्धिक, सांवेगिक एवं भाषा विकास

इकाई 4 : व्यक्तित्व विकास एवं समायोजन

- व्यक्तित्व का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
- व्यक्तित्व के विकास में वंशानुक्रम, जैविक कारक एवं वातावरण का महत्व
- समायोजन का अर्थ, विद्यालय, समुदाय एवं परिवार में समायोजन की महत्वपूर्ण तकनीक

इकाई 5 : व्यक्तिगत विभिन्नता एवं इसका शैक्षिक प्रभाव

- व्यक्तिगत विभिन्नता
- क्षमता, अभिरुचि, आदत, अभिवृत्ति, सांवेगिक एवं बौद्धिक उपलब्धि और उनका शैक्षिक प्रभाव

इकाई 6 : शिक्षा और अधिगम

- अधिगम का अर्थ, परिभाषा एवं सिद्धान्त
- अधिगम के विभिन्न तरीके—अवलोकन, अनुकरण, स्मृति, दृष्टिकोण, अनुसंधान, कौशल, सूचना प्रक्रिया
- भूल एवं प्रयत्न सिद्धान्त, प्रभाव का सिद्धान्त, अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त

क्रियाकलाप

- (1) छोटे बच्चों एवं अर्द्ध किशोरों के दो अलग-अलग समूहों के व्यवहार का अध्ययन करते हुए उनकी व्यवहारगत विशेषताओं एवं समस्याओं का वर्णन करना।
- (2) विशिष्ट बालकों के दो समूहों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर उनकी स्मरण शक्ति, वाक्पटुता एवं बुद्धि का परीक्षण करते हुए विवरणी तैयार करना।
- (3) विशिष्ट बालकों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक परीक्षण करते हुए उन्हें उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए सुझाव देना।
- (4) किन्हीं दो समस्यात्मक बालकों का जीवन इतिहास (केस स्टडी) तैयार करना।
- (5) बाल्यावस्था के दो एवं किशोरावस्था के तीन बालक/बालिका की विशेषताओं का पता लगाना।
- (6) दो बालक/बालिका की अभिरुचि एवं दो बालक/बालिका की आदतों का पता लगाकर उनका अभिलेख प्रस्तुत करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED894 शिक्षा मनोविज्ञान

—मृदुला राय

पंचम पत्र**हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप**

- भाषा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व
- हिन्दी भाषा के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी
- मानक हिन्दी भाषा के माध्यम से संक्षेपण
- राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं उसकी विशेषताएँ
- भाषा और बोली

इकाई 2 : मातृभाषा का अर्थ एवं परिचय

- मातृभाषा का अर्थ, परिभाषा, महत्व
- मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा
- मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य
- झारखण्ड की प्रमुख भाषा—मुंडारी, संताली, हो, खड़िया, कुँडुख, नागपुरी, कुरमाली, खोरठा, पंचपरगनिया। इनका सामान्य परिचय।

इकाई 3 : गद्य-पद्य शिक्षण

- गद्य शिक्षण—परिचय, गद्य शिक्षण की विधि—आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन, मौन वाचन, कथा कथन, अभिनय विधि, प्रश्नोत्तर विधि, घटना वर्णन, दृश्य वर्णन
- पद्य शिक्षण—परिचय, पद्य शिक्षण की विधि—सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थबोध विधि, भावबोध विधि, अनुकरण विधि

इकाई 4 : व्याकरण

- ध्वनि के लक्षण एवं भाषायी ध्वनि
- हिन्दी के स्वर, व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण
- शब्द परिचय एवं उसके भेद
- लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य

इकाई 5 : भाषा शिक्षण विधि

- पाठ्यपुस्तक विधि
- प्रश्नोत्तर विधि
- व्याख्या विधि
- खेल विधि
- देखो और कहो
- कहानी विधि

क्रियाकलाप

- (1) द्रुत वाचन कराना, कविता का सस्वर पाठ करना।
- (2) कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता।
- (3) पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन, संक्षेपण लेखन में भाग लेना।
- (4) हिन्दी भाषा पर क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव डालने वाले शब्द/वाक्य की सूची तैयार करना।
- (5) स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोकोक्तियों एवं मुहावरों का संकलन करना।
- (6) सूक्तियों एवं सुभाषितों का लेखन।
- (7) पाठ योजना एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

नोट— सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

पाठ्य-पुस्तकें



Sixth Paper

English Teaching : Content Cum Methodology

Unit 1 : Methodology

- (a) Purpose of Learning English in the present context.
- (b) Aims of Learning English to develop language skills.
- (c) Psychology of language learning.
 - (i) Motivation
 - (ii) Meaningful Expression
 - (iii) Distracting Factor
 - (iv) Language Habits

Unit 2 : Method of Teaching English

- (a) The Grammar and Translation method
- (b) The Direct method
- (c) The Structural method
- (d) The Eclectic method
- (e) the Situational method
- (f) The Communicative method

Unit 3 : Oral Expression

Narration of stories, events.
Dramatization of stories, events etc.
Poem presentation with proper tuning.

Unit 4 : Teaching Reading to Beginners

- (i) Reading readiness programme.
- (ii) Method of teaching : recording words and phrase, sentence method, story method.
- (iii) Reading aloud and silent reading.

Unit 5 : Common Defects

Physical, emotional defects and their rectification.

Personal Projects :

- (1) Preparation of special teaching materials apart from charts.
- (2) Listing one's strength and weaknesses regarding knowledge and expression of English and its remedy.
- (3) Listening to students' speech; finding out spelling defects and suggesting remedies.

- (4) Doing a project in order to help students to learn English.
- (5) Make a chart of similar and dissimilar words according to their pronunciation.
- (6) Make a chart to show to one's continual growth in any one or two of the language skills.
- (7) Prepare a lesson plan for teaching English.

Note : All trainees will take part in an analytical study of text-books of class one to eight.

पाठ्य-पुस्तकें

EDG129 Teaching of English

—Hena Siddiqui

सप्तम पत्र

संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि

इकाई 1 : संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व

- संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्व : आधुनिक भारतीय भाषा से तुलना, भारत में संस्कृत शिक्षण की स्थिति, संस्कृत शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक भाषागत एवं व्यावहारिक महत्व।

इकाई 2 : संस्कृत शिक्षण का स्वरूप

- विद्यालय पाठ्यक्रम में संस्कृत का स्थान एवं महत्व, प्रारम्भिक काल एवं आधुनिक काल में संस्कृत की स्थिति, इसके स्वरूप एवं स्तर में अंतर, संस्कृत भाषा की संरचना एवं इसके वैशिष्ट्य, संस्कृत और नैतिक शिक्षा।

इकाई 3 : श्रवण एवं वाचन कुशलता की विधियाँ

- संस्कृत उच्चारण, श्रवण अभ्यास, मौखिक कार्य, शब्दार्थ का अभ्यास, साधारण शब्दों का मौखिक संयोजन।

इकाई 4 : संस्कृत लेखन एवं पठन कुशलता की विधियाँ

- वार्तालाप का अभ्यास, संस्कृत लेखन एवं पठन की विभिन्न विधियाँ, इसके गुण एवं दोष, संस्कृत गद्य एवं पद्य का सस्वर पाठ, गद्य एवं पद्य की संरचना में अंतर, संस्कृत के अनुच्छेदों की संगीतात्मकता।
- लेखन कार्य, अनुच्छेद लेखन, शब्दों का विश्लेषण एवं उच्चारण, सामान्य अभ्यास पाठ।

इकाई 5 : व्याकरण

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन एवं कारक ।
- शब्द रूप—अस्मद्, युष्मद्, तद् ।
- धातु रूप—स्था, पठ, गम एवं दृश ।

इकाई 6 : संस्कृत शिक्षण की विधियाँ

- स्वरोच्चारण विधि
- अनुकरण विधि
- अभ्यास विधि
- प्रश्नोत्तर विधि

क्रियाकलाप

- (1) अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करना ।
- (2) संस्कृत शब्दों एवं वाक्यों का अभ्यास करना ।
- (3) संस्कृत कविता के सस्वर पाठ प्रतियोगिता में भाग लेना ।
- (4) संस्कृत कहानी लेखन प्रतियोगिता में भाग लेना ।
- (5) संस्कृत वार्तालाप का अभ्यास करना ।
- (6) संस्कृत एकांकी का प्रदर्शन करना ।
- (7) संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित पाठ योजना तैयार करना ।

नोट—सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे ।

पाठ्य-पुस्तकें**ED899 संस्कृत शिक्षण****—रामशकल पाण्डेय/शिखा शर्मा****अष्टम पत्र****गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : गणित शिक्षण का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र**

- गणित का स्वरूप एवं शैक्षिक महत्व
- प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के उद्देश्य

इकाई 2 : गणित शिक्षण की विधियाँ

- आगमन विधि
- निगमन विधि

- संश्लेषण विधि
- विश्लेषण विधि

इकाई 3 : अंकगणित

- प्राकृत संख्या, पूर्ण संख्या, पूर्णांक, सम संख्या, विषम संख्या, बाईनरी क्रिया, परिमेय संख्या, अपरिमेय संख्या
- संख्या एवं संख्या प्रणाली, संख्या रेखा
- स्थानीय मान का ज्ञान
- भिन्न—साधारण एवं दशमलव भिन्न, आवर्त दशमलव
- अपवर्तक एवं अपवर्त्य
- लघुतम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक
- ऐकिक नियम
- अनुपात एवं समानुपात का ज्ञान

इकाई 4 : बीजगणित का परिचय

- गुणनखण्ड
- समीकरण
- सरल, युगपद, वर्ग समीकरण

इकाई 5 : रेखागणित

- बिन्दु, रेखा, रेखाखण्ड, किरण कोण तथा इसके प्रकार
- त्रिभुज तथा इसके प्रकार, समानान्तर रेखाएँ

इकाई 6 : क्षेत्रमिति

- वर्ग एवं आयत की परिमाप एवं क्षेत्रफल का ज्ञान
- त्रिभुज के परिमाप एवं क्षेत्रफल का ज्ञान
- समानान्तर चतुर्भुज, समलम्ब चतुर्भुज, विषम कोण चतुर्भुज, समचतुर्भुज का ज्ञान

क्रियाकलाप

- (1) 30° , 45° , 60° , 75° , 90° , 120° , 135° कोण की रचना करना।
- (2) समबाहु, समद्विबाहु, विषमबाहु त्रिभुज की रचना करना।
- (3) आयत एवं वर्ग की रचना करना।
- (4) समानान्तर, समलम्ब एवं विषम कोण, समचतुर्भुज की रचना करना।
- (5) वृत्त की रचना करना।
- (6) किन्हीं दो खेलों की मैदान की लम्बाई एवं चौड़ाई मापकर रिपोर्ट तैयार करना।

(7) गिनतारा का निर्माण करना।

(8) पाठ योजना का निर्माण करना।

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED900 गणित शिक्षण

—सियाराम यादव

नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन-1

सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि

इकाई 1 : पृथ्वी, पृथ्वी की गति, ऋतु परिवर्तन, अक्षांश-देशान्तर

- मौसम और जलवायु पर प्रभाव डालने वाले कारक।
- पर्वत, पठार, मैदान, मृदा, चट्टान, नदी, हिमनदी, मरुस्थल।
- देश, महादेश, सागर, महासागर।
- प्राकृतिक आपदाएँ—बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी, सुनामी।
- नक्शा, मानचित्र अध्ययन, चार्ट, रेखाचित्र एवं ग्लोब का अध्ययन।

इकाई 2 : भारत का प्राचीन इतिहास एवं प्राचीन सभ्यताएँ

- आदिम युग, पाषाण युग।
- प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं वैदिक सभ्यता।
- मुगलकालीन एवं ब्रिटिश शासन।

इकाई 3 : भारतीय संविधान

- भारतीय संविधान का निर्माण एवं विशेषताएँ।
- राज्य के नीति निर्देशक तत्व।

इकाई 4 : केन्द्रीय एवं राज्य शासन

- केन्द्रीय एवं राज्य की कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका।
- स्थानीय स्वशासन—जिला परिषद्, ग्राम पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम।

क्रियाकलाप

- (1) किन्हीं दो ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- (2) स्थानीय ग्राम पंचायत/नगरपालिका/नगर निगम के क्षेत्र की स्थिति एवं पदाधिकारियों के नाम तथा दो प्रमुख विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना।

- (3) स्थानीय समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना एवं इसके निदान के लिए सुझाव प्रस्तुत करना।

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED901 सामाजिक विज्ञान शिक्षण

—स्नेहलता चतुर्वेदी

दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन-2

सामान विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि

इकाई 1 : विज्ञान शिक्षण

- विज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं दैनिक जीवन में महत्व
- प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
- विज्ञान शिक्षण की विधियाँ—प्रयोगशाला विधि, प्रदर्शन विधि, सह-चर्चा विधि, समस्या निराकरण विधि, ह्यूरिस्टिक विधि
- शिक्षण उपादान—चार्ट, मॉडल, स्लाइड, पाठ योजना तैयारी।

इकाई 2 : भौतिकी

- मापन—मापन की प्रणाली, मानक, इकाई
- गति, कार्य, शक्ति, ऊर्जा एवं बल
- ऊष्मा—परिभाषा, थर्मामीटर, तापगमन की विधियाँ, ऊष्मा द्वारा प्रसार
- प्रकाश—परिचय, प्रकाश स्रोत, छाया, ग्रहण, परावर्तन एवं अपवर्तन, दर्पण एवं लेंस।

इकाई 3 : रसायन विज्ञान

- अणु, परमाणु
- तत्व, यौगिक, मिश्रण
- जल—जल की कठोरता एवं उसका शुद्धीकरण
- अम्ल, भस्म एवं लवण

इकाई 4 : जीव विज्ञान

- सजीव एवं निर्जीव
- जन्तु एवं वनस्पति कोशिका

- मानव शरीर के अंग एवं अंगतंत्र
- पौधे के भाग एवं उनका परिचय।

क्रियाकलाप

- (1) विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करना।
- (2) स्थानीय परिवेश से जन्तु एवं वनस्पति का संग्रह करना।
- (3) स्थानीय परिवेश का भ्रमण करना।
- (4) स्थानीय जल की अशुद्धता का पता लगाना

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED902 सामान्य विज्ञान शिक्षण

—लोकेश शर्मा

एकदश पत्र

शिक्षण अभ्यास

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रतिवर्ष अभ्यास पाठ कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में होगा—

1. सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching)

- सूक्ष्म शिक्षण के सम्बन्ध में व्याख्याता के द्वारा अर्थ एवं सामान्य जानकारी दी जायेगी।
- प्रति प्रशिक्षणार्थी को कम से कम सात सूक्ष्म शिक्षण देने होंगे एवं कम से कम तीन सूक्ष्म शिक्षण का अवलोकन कर उनका प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण के विषय को गुप में बाँटकर कराया जायेगा।
- प्रति सूक्ष्म शिक्षण 5 मिनट का होगा एवं अन्त में सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण 15 मिनट का होगा।
- सूक्ष्म शिक्षण की पाठ योजना तैयार कर सूक्ष्म शिक्षण प्रस्तुत करना होगा।

2. प्रदर्शन पाठ/आदर्श पाठ (Demonstration Lesson)

- सूक्ष्म शिक्षण का एक-एक आदर्श पाठ व्याख्याताओं द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।
- सूक्ष्म शिक्षण का आदर्श पाठ विषयवार व्याख्याताओं द्वारा प्रदर्शित किया जायेगा।

- कुल प्रदर्शन पाठ की संख्या 6 होगी।
- सभी प्रशिक्षणार्थियों की सभी प्रदर्शन पाठ में उपस्थिति अनिवार्य है।

3. समालोचना पाठ (Criticism Lesson)

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम एक समालोचना पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम पाँच समालोचना पाठ में उपस्थित रहकर एवं पाठ का अवलोकन कर उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- समालोचना पाठ की अवधि एक पूर्ण वर्गावधि की होगी।

4. शिक्षण अभ्यास (Practice Teaching)

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिवर्ष शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिदिन कम से कम दो शिक्षण अभ्यास पाठ देना आवश्यक है।
- शिक्षण अभ्यास के लिए पाठ योजना, शिक्षण अधिगम सामग्री एवं विषय की तैयारी के साथ पाठ प्रस्तुत करना है।
- शिक्षण अभ्यास के दौरान प्रशिक्षणार्थी को दैनिक दैनन्दिनी (डायरी) लिखना आवश्यक है।

द्वितीय वर्ष में प्रदर्शन पाठ एवं समालोचना पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं है।

- प्रथम वर्ष की भाँति द्वितीय वर्ष में सात सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना एवं तीन सूक्ष्म शिक्षण पाठ का रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- द्वितीय वर्ष में 33 शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक है जिसमें प्रत्येक विषय से दो शिक्षण अभ्यास पाठ अवश्य होने चाहिए।

पाठ्य-पुस्तकें

ED903 शिक्षण अभ्यास

—प्रीति गुप्ता

द्वादश पत्र

कम्प्यूटर (Computer)

1. कम्प्यूटर के सभी अवयवों एवं सम्बन्धित उपकरणों की जानकारी।
2. कम्प्यूटर ऑपरेशन की जानकारी।
3. Logo का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी।



4. D. W. Basic Programming का परिचय एवं उसके Commands की जानकारी।
5. Internet का परिचय एवं Internet browse करने की जानकारी।

सत्रगत कार्य

1. कम्प्यूटर के मुख्य अवयवों एवं उपकरणों का चित्रण एवं नामकरण।
2. Logo के 5 Output का चित्रण।
3. D. W. Basic के 5 Output का चित्रण।
4. Internet की प्रक्रिया का चित्रण एवं वर्णन।
5. Logo के 5 Output प्रदर्शित करना।
6. D. W. Basic के 5 Output प्रदर्शित करना।
7. Internet खोलना एवं Browse करने दिखाना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED904 कम्प्यूटर

—जे. सी. अग्रवाल/ज्योत्सना चौहान

त्रयोदश पत्र

कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

कार्यानुभव : निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो को करना अनिवार्य है।

1. बागवानी (Gardening)

- (i) बागवानी में प्रयुक्त होने वाले औजारों, जैसे—खुरपी, हँसुआ, कुदाल, ग्रास-कटर, फुलझरी इत्यादि के प्रयोग की जानकारी होना।
- (ii) जमीन की तैयारी, खाद डालना, निराई करना, क्यारी तैयार करना।
- (iii) सिंचाई हेतु नाली तैयार करना।
- (iv) विभिन्न मौसमों में उपजने वाले साग-सब्जियों का बिचड़ा तैयार करना, उन्हें लगाना तथा उनकी देख-रेख करना।

2. कृषि (Agriculture)

- (i) कृषि उपकरण—हल, ट्रैक्टर, पावर टीलर, हेंगा, पाल्टा, कुदाल, खुरपी, हँसुआ आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर उनका उपयोग आवश्यकतानुसार करना।
- (ii) प्रमुख खरीफ फसल, जैसे—धान, मकई, ज्वार, बाजरा, उड़द, गोंदली तथा रबी फसल, जैसे—चना, मसूर, मूँग, कुरथी, जौ आदि की जानकारी प्राप्त करना एवं दोनों तरह की फसलों में से एक-एक फसल उपजाना।

- (iii) क्यारी की तैयारी एवं पौधशाला निर्माण की विधि जानना एवं उन्हें तैयार करना।
- (iv) उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी प्राप्त करना, उनका चुनाव करना तथा उनका प्रयोग करना।

3. गृह विज्ञान (Home Science)

- (i) सन्तुलित आहार की दृष्टि से भोज्य-पदार्थों की जानकारी प्राप्त कर इनका सही ढंग से उपयोग करना।
- (ii) भोज्य-पदार्थों का संग्रह, परीक्षण एवं प्रबन्ध करना।
- (iii) रुमाल, टेबल क्लॉथ, तकिया-गिलाफ एवं किसी भी वस्तु से पाँवदान तैयार करना।
- (iv) दीवार-सजावट, कमरों की सजावट, उत्सव एवं कार्यक्रमों के समय की सजावट तथा रंगोली बनाना।

4. कोलाज कार्य

- (i) स्थानीय छीजन एवं बेकार वस्तुओं से उपयोगी सामग्री तैयार करना।
- (ii) विभिन्न प्रकार के चेपक की जानकारी प्राप्त करना एवं उनका उपयोग करना।
- (iii) रंगीन एवं विभिन्न प्रकार के कागज, बीज, पत्ती, घास, चिड़ियों के पंख आदि से बने खिलौने अथवा फूलदानी तैयार करना।
- (iv) शुभकामना कार्ड, बधाई कार्ड, कार्यक्रम सम्बन्धी कार्ड एवं निमन्त्रण कार्ड तैयार करना।

5. कटाई एवं सिलाई (Cutting and Tailoring)

- (i) कटाई एवं सिलाई के औजारों का परिचय एवं उनका उपयोग करना।
- (ii) विभिन्न स्टिच, जैसे—रनिंग स्टिच, हेमिंग स्टिच, बैक स्टिच, क्रॉस स्टिच, पंचिंग स्टिच, कट वर्क, बटन हॉल स्टिच, जमा स्टिच, इनमें से किन्हीं छः स्टिच का अभ्यास कर नमूना तैयार करना।
- (iii) 2 लेडीज एवं 2 जेण्ट्स रुमाल तैयार करना।
- (iv) 1 टेबल क्लॉथ तैयार करना।
- (v) फ्रॉक-शमीज-जांघिया, कुर्ता-पाजामा, बाबा सूट में से किन्हीं दो सेट को तैयार करना।

6. शारीरिक शिक्षा

- (i) ड्रिल, मार्चिंग एवं मार्च पास्ट का अभ्यास करना।
- (ii) प्रातःकालीन व्यायाम में भाग लेना।
- (iii) संध्या समय खेल में भाग लेना।
- (iv) दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, रस्सी कूद में भाग लेना।

- (v) फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केट बॉल एवं कबड्डी में से कम से कम एक खेल में भाग लेना।
- (vi) सूर्य नमस्कार, वज्रासन, सर्वांगासन, शीर्षासन में से किन्हीं दो का अभ्यास करना।
- (vii) स्काउट-गाइड क्रियाशीलन में भाग लेना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED907	बागवानी	—प्रतिमा त्रिपाठी
ED908	कृषि	—रोली द्विवेदी
ED909	गृह विज्ञान	—रोली द्विवेदी
ED911	कोलाज वर्क	—प्रतिमा त्रिपाठी
ED910	कटाई एवं सिलाई	—स्नेहलता चतुर्वेदी
ED905	शारीरिक शिक्षा	—श्रीकृष्ण पटेल

चतुर्दश पत्र

सामुदायिक जीवन

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

संस्थान में :

1. दैनिक प्रार्थना में भाग लेना।
2. महाविद्यालय परिसर, छात्रावास, शौचालय एवं मैदान की सफाई करना।
3. स्थानीय/राष्ट्रीय महत्व के दिवसों, जयन्तियों एवं प्रमुख उत्सवों का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
4. सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
5. सामूहिक सहभोज का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
6. रोगी/बच्चे/मित्र की सहायता एवं जरूरतमन्द व्यक्तियों की सहायता करना।
7. महाविद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्था हेतु समिति का गठन कर उसमें भाग लेना।
8. सेमिनार, कार्यशाला एवं व्याख्यानमाला का आयोजन करना।
9. शैक्षिक चलचित्र/वृत्त चित्र/स्लाइड/सी. डी. के प्रदर्शन का आयोजन करना।
10. वार्षिकोत्सव/वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन करना।

समुदाय में :

1. समुदाय का शैक्षिक सर्वेक्षण कर उसकी रिपोर्ट तैयार करना ।
2. समुदाय में श्रमदान एवं सेवा शिविर का आयोजन करना ।
3. ग्रामीण उत्सव एवं कार्यक्रमों में भाग लेना ।
4. समुदाय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना ।
5. साक्षरता अभियान एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रमों में सहयोग करना ।
6. सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा, प्रौढ़ शिक्षा/साक्षरता, स्वास्थ्य सम्बन्धी शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करना, यथा—नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, रूट मार्च, प्रदर्शनी, पोस्टर तैयारी करना एवं चिपकाना आदि ।
7. पड़ोसी विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद का आयोजन करना ।

निर्देश : महाविद्यालय/संस्थान में उपर्युक्त क्रियाशीलों का सम्पादन सुविधानुसार यथासमय प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के शैक्षिक सत्र में पूरा करेंगे और इसका अभिलेख प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी तैयार करेंगे ।

क्रियाशीलों एवं सहभागिता के आधार पर इनका आन्तरिक मूल्यांकन होगा ।

पाठ्य-पुस्तकें
ED906 सामुदायिक जीवन
—पायल भोला जैन

वार्षिक परीक्षा के लिए अंकों का विभाजन

द्वितीय वर्ष

क्र. सं.	पत्र	विषय का नाम	बाह्य मूल्यांकन		आंतरिक मूल्यांकन	
			पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1	फाउण्डेशन पत्र तृतीय	विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श	60	24	40	16
2	फाउण्डेशन पत्र चतुर्थ	शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन	60	24	40	16
3	पंचम पत्र	हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
4	षष्ठम पत्र	अंग्रेजी शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
5	सप्तम पत्र	संस्कृत/बंगला/उर्दू/मुंडारी/संताली/हो/खड़िया/कुडुख/नागपुरी/कुड़माली/खोरठा/पंचपरगनिया शिक्षण : विषय-वस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
6	अष्टम पत्र	गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
7	नवम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 1-सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
8	दशम पत्र	पर्यावरण अध्ययन 2-सामान्य विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि	60	24	40	16
9	एकादश पत्र	शिक्षण अभ्यास	40	16	60	24
10	द्वादश पत्र	कम्प्यूटर	—	—	100	40
11	त्रयोदश पत्र	कार्यानुभव-2 विषय एवं शारीरिक शिक्षा	15×2 = 30 + 20 = 50	20	15×2 = 30 + 20 = 50	20
12	चतुर्दश पत्र	सामुदायिक जीवन	—	—	100	40

डी. एल. एड. द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

फाउण्डेशन पत्र तृतीय

विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श

इकाई 1 : विद्यालय प्रबन्ध की अवधारणा, आवश्यकता, अर्थ, उद्देश्य एवं सिद्धान्त

- प्राथमिक शिक्षा का प्रबन्धन, वित्त एवं योजना।
- विद्यालय भवन के संसाधन, भवन का स्वरूप, स्थल चयन वर्ग कक्ष, छात्रावास, क्रीडास्थल की आवश्यकता, उपस्कर साज-सज्जा एवं उपकरणों की व्यवस्था।
- मानव संसाधन का संगठन।
- आवश्यकताओं की पूर्ति में जन सहयोग।

इकाई 2 : विद्यालय प्रबन्धन

- प्राथमिक शिक्षा के सन्दर्भ में झारखण्ड शिक्षा सेवा नियमावली, सेवाशर्त, वेतनमान, प्रोन्नति, सेवानिवृत्ति।
- प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति।
- प्रधानाध्यापक के गुण, अधिकार एवं कर्तव्य।
- प्रमुख अभिलेखों की जानकारी, रख-रखाव एवं संधारण।
- विद्यालय समय-सारणी, पुस्तकालय का महत्व।

इकाई 3 : सुविधा वंचित वर्ग की शिक्षा

- अनुसूचित जनजाति की शिक्षा—स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- अनुसूचित जाति की शिक्षा—स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- पिछड़े वर्ग की शिक्षा—स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- बालिका शिक्षा—स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।
- विकलांगों की शिक्षा—स्थिति, समस्या, समाधान, सरकारी प्रयास।

इकाई 4 : निर्देशन एवं परामर्श

- निर्देशन एवं परामर्श का परिचय, परिभाषा एवं आवश्यकता।
- निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र, उपयोगिता, महत्व।
- बच्चों की समस्या की पहचान एवं उनके निदान, शिक्षक एवं अभिभावक की भूमिका।
- निर्देशन एवं परामर्श की तकनीक एवं उपकरण।

इकाई 5 : शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षण

- सफल/आदर्श शिक्षक के गुण।
- वर्ग, कक्षा, विद्यालय एवं समुदाय में शिक्षक की भूमिका।
- सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका।
- शिक्षक प्रशिक्षण-सेवा पूर्व, सेवाकालीन, मुक्त-प्रशिक्षण।

इकाई 6 : एजेन्सीज और प्रोग्राम

- यूनिसेफ, एन. सी. ई. आर. टी., एन. सी. टी. ई., एस. सी. ई. आर. टी., डायट, बी. आर. सी., सी. आर. सी. आई., सी. डी. एस., आँगनवाड़ी, मध्याह्न भोजन, साइकिल वितरण योजना, पुस्तक वितरण योजना।



- सेतु पाठ्यक्रम, पूर्व बालपन शिक्षा।
- सर्व शिक्षा अभियान का परिचय, उद्देश्य एवं क्रियान्वयन का स्वरूप।
- पंचायती राज एवं शिक्षा।

पाठ्य-पुस्तकें

ED914 विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श

—रोली द्विवेदी

फाउण्डेशन पत्र चतुर्थ

शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन

इकाई 1 : अर्थ, महत्व, उपयोगिता एवं विशेषताएँ

- नई शिक्षा व्यवस्था में इसकी भूमिका।
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में अन्तर।
- जनसंचार माध्यम और शिक्षा में उनकी उपयोगिता।
- कम्प्यूटर की शैक्षिक उपयोगिता, ई-मेल, इण्टरनेट, लैपटॉप, फैक्स, स्थिर और गतिमान प्रोजेक्टर, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, इन्स्ट्रुमेण्ट।
- टेलीकॉन्फ्रेंसिंग माइक्रोटीचिंग एवं उसकी तकनीक।

इकाई 2 : पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, पाठ्यक्रम एवं सिलेबस में अन्तर

- पाठ्यक्रम के अवयव—उद्देश्य निर्धारण, विषयवस्तु का चयन, विषयवस्तु का संगठन।
- पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त।
- अनिवार्य पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, फ्रेम वर्क, न्यूनतम अधिगम स्तर।
- अधिगम में निपुणता।

इकाई 3 : मापन एवं मूल्यांकन

- मापन, मूल्यांकन एवं परीक्षण का अर्थ, विशेषतायें तथा अन्तर।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा।
- दक्षता आधारित मूल्यांकन।
- परीक्षा के प्रकार—निबन्धात्मक, लघु उत्तरीय, वस्तुनिष्ठ, इकाई परीक्षण, उपलब्धि जाँच।
- सम्बन्धित जाँच के अभिलेख का संधारण।

इकाई 4 : पाठ योजना

- पाठ योजना का अर्थ एवं प्रकार।
- पाठ योजना बनाने के सोपान।
- इकाई योजना।
- शिक्षण उपादान।

इकाई 5 : सांख्यिकी एवं आँकड़ा

- सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व।
- आँकड़े का अर्थ, परिभाषा और प्रकार।

- बारम्बारता, संचयी बारम्बारता, मध्य बिन्दु (वर्ग चिह्न) का परिचय, बारम्बारता सारणी तैयार करना।
- संचयी बारम्बारता ज्ञात करने की विधि।

इकाई 6 : माध्य, माध्यिका एवं बहुलक का परिचय एवं परिभाषा

- माध्य, माध्यिका एवं बहुलक ज्ञात करने की विधि।
- दण्ड चार्ट, आयत चित्र, बारम्बारता बहुभुज, चित्रालेख एवं वृत्त चार्ट तैयार करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED915 शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन

—अनामिका तिवारी

पंचम पत्र**हिन्दी भाषा शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : भाषा कौशल का विकास**

- श्रवण का परिचय एवं श्रवण कौशल विकास की विधियाँ।
- वाचन का परिचय एवं वाचन कौशल विकास की विधियाँ।
- पठन का परिचय एवं पठन कौशल की विधियाँ, शुद्ध उच्चारण के साथ पठन।
- लेखन का परिचय, अनुलेख, प्रतिलेख, श्रुतिलेख एवं सुलेख का परिचय, लेखन कौशल विकास का महत्व।
- भाषा कौशल विकास की सहगामी क्रियाएँ।

इकाई 2 : व्याकरण शिक्षण

- व्याकरण शिक्षण का परिचय एवं महत्व।
- सन्धि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम शब्द, समानार्थक शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द, मुहावरे।

इकाई 3 : भाषा शिक्षण तकनीक एवं उपादान

- भाषा शिक्षण तकनीक—वार्तालाप, प्रश्नोत्तर, अभ्यास, स्वराघात, बलाघात, चित्र वर्णन, प्रतिकृति एवं अनुकृति।
- भाषा शिक्षण उपादान—पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र, रेडियो, दूरदर्शन, नाटक, चलचित्र, टेपरिकॉर्डर, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिका एवं सहायक पुस्तक का महत्व।

इकाई 4 : भाषा शिक्षण विधि

- अनुकरण विधि, चित्र वर्णन, सुनो और बोलो।
- सूत्र विधि, अभिनय विधि।
- पाठ्य-पुस्तक विधि, सहयोग प्रणाली।

इकाई 5 : हिन्दी भाषा एवं साहित्य

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास की समस्याएँ।
- कला-संस्कृति विकास में हिन्दी साहित्य का योगदान।



- प्राथमिक शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्व।
- मातृभाषा के माध्यम से हिन्दी शिक्षण।

क्रियाकलाप

- (1) भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिता में भाग लेना।
- (2) सुनो और बोलो का अभ्यास।
- (3) अत्याक्षरी एवं अभिनय में भाग लेना।
- (4) पाठ्यपुस्तक से सम्बन्धित साहित्यकारों के चित्रों का संकलन।
- (5) कविता एवं कहानी लेखन।
- (6) शुद्ध उच्चारणों से सम्बन्धित एक-एक ऑडियो कैसेट तैयार करना।

नोट— सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

पाठ्य-पुस्तकें

ED918 हिन्दी भाषा शिक्षण

—उपेन्द्र कुमार

Sixth Paper

English Teaching : Content Cum Methodology

Unit 1 : Usage

- (a) Verbs—Finites and non-finities—Auxiliary Verbs—Anomalous finites
- (b) Time and Tense—Study of English Tense
- (c) Use of Adjectives, Nouns, Pronouns, Articles, Prepositions, Conjunctions, Infinitives and gerunds
- (d) Sentences—Kinds, Conversions, Synthesis
- (e) Reported Speech
- (f) The Passive Construction
- (g) Punctuation
- (h) Question form, Question tags
- (i) Syntax

Unit 2 : Spoken English

- (a) A brief introduction to the Speech sounds of English Vowels, Consonants and diphthongs to phonetic symbols and transcription in international phonetic scripts to enable the pupil teacher to use a pronouncing dictionary.
- (b) Word Stress and Sentence stress
- (c) Strong and Weak forms
- (d) Rhythm and intonation

Unit 3 : Written English

- (a) Pattern and letter
- (b) Connected Writing
- (c) Systematic Writing
- (d) Writing Stories from incomplete outline
- (e) Writing a Paragraph or an essay on any given topic
- (f) Letter Writing

Unit 4 : Comprehension

The text shall contain prose, poetry, rhymes from the text book used in Class 5th to 8th.

Personal Project

- (1) Identifying language errors in listening, Speaking, Reading and Writing.
- (2) Deliver a Speech.
- (3) Write an Essay.
- (4) Participate in a Debate.
- (5) Write a Story.
- (6) Write a Poem.
- (7) Show sufficient proficiency in Conversation.
- (8) Read a difficult passage without mistakes.

Note : All trainees will take part in an analytical study of text-books of class one to eight.

पाठ्य-पुस्तकें**EDG140 English Teaching****—Hena Siddqui****सप्तम पत्र****संस्कृत शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : संस्कृत साहित्य का इतिहास**

- रामायण, महाभारत, पुराण, पंचतंत्र, हितोपदेश, कालिदास, विशाखदत्त, बाणभट्ट, पाणिनी के सन्दर्भ में संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई 2 : संस्कृत गद्य-पद्य शिक्षण

- संस्कृत गद्य शिक्षण का महत्व एवं विधि, जैसे—कहानी विधि, अभिनय विधि, संवाद विधि, प्रश्नोत्तर विधि।
- संस्कृत पद्य शिक्षण का महत्व एवं विधि, जैसे—सस्वर वाचन, गीत विधि, व्याख्या विधि, अर्थबोध विधि।

इकाई 3 : अनुवाद

- मातृभाषा का संस्कृत में अनुवाद, संस्कृत वाक्यों का मातृभाषा में अनुवाद।
- अनुवाद का भाषागत एवं व्यावहारिक महत्व एवं उपयोग।
- संस्कृत शिक्षण प्रारम्भ करने का छात्रों का स्तर, व्याकरण से इसका सम्बन्ध।

इकाई 4 : व्याकरण

- व्याकरण अध्ययन की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष विधि तथा इसकी विशेषतायें।
- संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग निर्णय।
- शब्द रूप—अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त।
- धातु रूप—भू, पच्, दा, श्रु।

इकाई 5 : रचना

- अनुच्छेद लेखन, कथा लेखन, पद्य लेखन।
- रिक्त स्थान पूर्ति, शब्द एवं वाक्य मिलान, वाक्य रचना।

इकाई 6 : संस्कृत शिक्षण विधि

- अनुवाद विधि ।
- चित्र वर्णन विधि ।
- सुनो और बोलो विधि ।
- कथा-कथन विधि ।

क्रियाकलाप

- (1) संस्कृत कविता रचना में भाग लेना ।
- (2) संस्कृत संभाषण में भाग लेना ।
- (3) वर्ग 1 से वर्ग 8 तक की पाठ्यपुस्तकों में से 10-10 सूक्तियाँ चुनकर लिखना तथा उनका अर्थ भी लिखना ।
- (4) दस सुभाषितों को कंठस्थ कर उनका अर्थ बताना ।
- (5) 10 कहानी अथवा कविता के लेखक का नाम एवं उनकी रचना के शीर्षक का चार्ट तैयार करना ।
- (6) संस्कृत पाठ योजना तैयार करना ।
- (7) संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित उपादान तैयार करना ।

नोट—सभी प्रशिक्षणार्थी कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे ।

पाठ्य-पुस्तकें**ED919 संस्कृत शिक्षण****In Press****अष्टम पत्र****गणित शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : गणित शिक्षण की विधियाँ**

- ह्यूरिस्टिक विधि
- खेल विधि
- समस्या निराकरण विधि
- स्वयं खोज विधि ।

इकाई 2 : अंकगणित

- साधारणीकरण और कोष्ठक की क्रियायें ।
- वर्ग एवं वर्गमूल ।
- प्रतिशतता, लाभ-हानि, बट्टा ।
- साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज ।

इकाई 3 : बीजगणित

- क्रम विनिमय, साहचर्य तथा वितरण के नियम ।
- बीजीय व्यंजक का वर्ग एवं धन ज्ञात करना ।
- बीजीय व्यंजकों का गुणनखण्ड ।

- करनी, घात तथा घातांक।
- समुच्चय, उनके भेद तथा संक्रिया, वेन चित्र तथा समुच्चय सिद्धान्त का व्यावहारिक उपयोग।

इकाई 4 : रेखागणित

- वृत्त, केन्द्र, त्रिज्या, परिधि, चाप, वृत्तखण्ड, अन्तःकेन्द्र, परिकेन्द्र, वृत्तखण्ड के कोण का परिचय।

इकाई 5 : क्षेत्रमिति

- वृत्त की परिधि तथा क्षेत्रफल।
- घन तथा घनाभ के सम्पूर्ण पृष्ठ का क्षेत्रफल तथा आयतन।
- शंकु, गोला तथा बेलन का पृष्ठ क्षेत्रफल तथा आयतन।

क्रियाकलाप

- (1) कागज मोड़कर त्रिभुज, वर्ग एवं आयत बनाना।
- (2) कागज मोड़कर 30° , 45° , 60° , 75° , 90° , 120° एवं 150° का कोण बनाना।
- (3) संख्या रेखा का मॉडल निर्माण करना एवं इसका उपयोग करना।
- (4) घन, घनाभ, बेलन और गोले का निर्माण करना तथा इनका आयतन एवं क्षेत्रफल ज्ञात करना।
- (5) किसी एक कक्षा के छात्र/छात्राओं की आयु, ऊँचाई तथा भार सम्बन्धी आँकड़ों का संकलन करना एवं उनका आलेख बनाना।
- (6) पाठ योजना निर्माण करना।

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED920 गणित शिक्षण

In Press

नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन-1**सामाजिक विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि****इकाई 1 : भारत की प्राकृतिक बनावट**

- भारत की वनस्पति, वन्य जीव एवं खनिज।
- झारखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में स्थिति, प्राकृतिक संरचना, जनसंख्या, कृषि, वनस्पति, खनिज, ऊर्जा, उद्योग-धन्धे, यातायात के साधन।
- जनसंख्या वितरण, भू-भाग एवं उसका विस्तार।
- सिंचाई एवं विद्युत।
- यातायात के साधन, आयात-निर्यात
- आर्थिक संरचना एवं आर्थिक समस्याएँ।

इकाई 2 : भारत के प्रमुख स्वतन्त्रता आन्दोलन

- भारत के प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, झारखण्ड के प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी।
- स्वतन्त्र भारत की प्रमुख घटनाएँ।



- 19वीं शताब्दी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण।
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, विकास और उपलब्धियाँ।

इकाई 3 : अधिकार, कर्तव्य एवं राष्ट्रीय प्रतीक

- नागरिक के अधिकार एवं कर्तव्य।
- राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिह्न।

इकाई 4 : राष्ट्रीय समस्याएँ

- सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, औद्योगिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ।

क्रियाकलाप

- (1) प्राकृतिक महत्व के दो स्थलों का भ्रमण कर उनका रिपोर्ट तैयार करना।
- (2) स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- (3) स्थानीय वनस्पति, कृषि, उपज एवं खनिज की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- (4) स्थानीय जिला परिषद्/न्यायपालिका की जानकारी प्राप्त कर अभिलेख तैयार करना।
- (5) पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED921 सामाजिक विज्ञान शिक्षण

—विपिन प्रसाद सिंह

दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन-2

सामान विज्ञान शिक्षण : विषयवस्तु सह-शिक्षण विधि

इकाई 1 : विज्ञान शिक्षण विधि

- अन्वेषण विधि।
- परियोजना विधि।
- इकाई विधि।
- खोज विधि।
- शिक्षण उपादान, जैसे—दृश्य-श्रव्य उपकरण, प्रोजेक्टर, सी.डी. (C.D.) का परिचय।
- परिवेशीय सामग्री के उपयोग की जानकारी।
- पाठ योजना तैयारी।

इकाई 2 : भौतिकी

- चुम्बक—प्रकार, उत्पादन एवं गुण।
- विद्युत—परिचय, स्थिर एवं धारावाहिक विद्युत, सेल।
- ध्वनि—परिचय, उत्पत्ति एवं गमन, प्रतिध्वनि।
- ऊर्जा के स्रोत एवं विकास।

इकाई 3 : रसायन विज्ञान

- हवा एवं उसके अवयव का परिचय।

- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, रासायनिक अभिक्रिया।
- कार्बन की अपरूपता, कार्बन के अपरूप के गुण एवं उपयोग।
- धातु एवं अधातु, मिश्रधातु।

इकाई 4 : जीव विज्ञान

- पोषण, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन एवं जनन।
- वनस्पति में वृद्धि एवं परिवर्धन, गति।
- हमारा पर्यावरण—जैव एवं अजैव पर्यावरण, पर्यावरण में अन्योन्य क्रिया, परितंत्र एवं उसका असन्तुलन।
- सन्तुलित आहार, कुपोषण एवं कुपोषण जनित रोग।

क्रियाकलाप

- (1) स्थायी एवं अस्थायी स्लाइड तैयार करना।
- (2) स्थानीय ऊर्जा स्रोतों की जानकारी प्राप्त कर उनका अभिलेख तैयार करना।
- (3) स्थानीय वायु-प्रदूषण स्तर का पता लगाना।
- (4) स्थानीय चार प्रकार की मिट्टी की अम्लीयता अथवा क्षारीयता की जाँच करना।
- (5) स्थानीय जल-प्रदूषण का पता लगाना।
- (6) विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ योजना एवं शिक्षण उपादान तैयार करना।

नोट—कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य-पुस्तकें**ED922 सामान्य विज्ञान शिक्षण****In Press****एकदश पत्र****शिक्षण अभ्यास****प्रथम एवं द्वितीय वर्ष**

प्रतिवर्ष अभ्यास पाठ कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में होगा—

1. सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching)

- सूक्ष्म शिक्षण के सम्बन्ध में व्याख्याता के द्वारा अर्थ एवं सामान्य जानकारी दी जायेगी।
- प्रति प्रशिक्षणार्थी को कम से कम सात सूक्ष्म शिक्षण देने होंगे एवं कम से कम तीन सूक्ष्म शिक्षण का अवलोकन कर उनका प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण के विषय को गुप में बाँटकर कराया जायेगा।
- प्रति सूक्ष्म शिक्षण 5 मिनट का होगा एवं अन्त में सम्पूर्ण सूक्ष्म शिक्षण 15 मिनट का होगा।
- सूक्ष्म शिक्षण की पाठ योजना तैयार कर सूक्ष्म शिक्षण प्रस्तुत करना होगा।

2. प्रदर्शन पाठ/आदर्श पाठ (Demonstration Lesson)

- सूक्ष्म शिक्षण का एक-एक आदर्श पाठ व्याख्याताओं द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।
- सूक्ष्म शिक्षण का आदर्श पाठ विषयवार व्याख्याताओं द्वारा प्रदर्शित किया जायेगा।
- कुल प्रदर्शन पाठ की संख्या 6 होगी।
- सभी प्रशिक्षणार्थियों की सभी प्रदर्शन पाठ में उपस्थिति अनिवार्य है।

3. समालोचना पाठ (Criticism Lesson)

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम एक समालोचना पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कम से कम पाँच समालोचना पाठ में उपस्थित रहकर एवं पाठ का अवलोकन कर उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- समालोचना पाठ की अवधि एक पूर्ण वर्गावधि की होगी।

4. शिक्षण अभ्यास (Practice Teaching)

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिवर्ष शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिदिन कम से कम दो शिक्षण अभ्यास पाठ देना आवश्यक है।
- शिक्षण अभ्यास के लिए पाठ योजना, शिक्षण अधिगम सामग्री एवं विषय की तैयारी के साथ पाठ प्रस्तुत करना है।
- शिक्षण अभ्यास के दौरान प्रशिक्षणार्थी को दैनिक दैनन्दिनी (डायरी) लिखना आवश्यक है।

द्वितीय वर्ष में प्रदर्शन पाठ एवं समालोचना पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं है।

- प्रथम वर्ष की भाँति द्वितीय वर्ष में सात सूक्ष्म शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना एवं तीन सूक्ष्म शिक्षण पाठ का रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- द्वितीय वर्ष में 33 शिक्षण अभ्यास पाठ प्रस्तुत करना आवश्यक है जिसमें प्रत्येक विषय से दो शिक्षण अभ्यास पाठ अवश्य होने चाहिए।

पाठ्य-पुस्तकें

ED903 शिक्षण अभ्यास

—प्रीति गुप्ता

द्वादश पत्र

कम्प्यूटर (Computer)

1. Computer में डाटा दर्ज करने का ज्ञान।
2. Computer Typing एवं Printing की जानकारी।
3. MS-Word का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।

4. MS-Excel का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।
5. Power Point का परिचय एवं इसके Commands की जानकारी।

सत्रगत कार्य

- (1) Speed एवं Accurate Computer Typing की दक्षता दर्शाना।
- (2) MS-Word का दो Output प्रदर्शित करना।
- (3) MS-Excel का दो Output प्रदर्शित करना।
- (4) Power Point में एक Output प्रदर्शित करना।

पाठ्य-पुस्तकें**ED904 कम्प्यूटर****—जे. सी. अग्रवाल/ज्योत्सना चौहान****त्रयोदश पत्र****कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा****कार्यानुभव**

निम्नलिखित पाँच कार्यानुभवों में से किन्हीं दो को करना अनिवार्य है—

1. बागवानी (Gardening)

- (i) विभिन्न मौसमों में लगाये जाने वाले फूलों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें लगाना।
- (ii) फूलों का बिचड़ा तैयार करना, उनका संवर्धन तथा संरक्षण करना।
- (iii) पुष्प वाटिका में विभिन्न प्रकार के पौधों को लगाना, उनकी देख-रेख करना तथा सुरक्षित रखना।
- (iv) क्यारी में फूल लगाना तथा प्रति प्रशिक्षणार्थी कम-से-कम एक गमले में फूल के पौधे/क्रोटन लगाना।

2. कृषि (Agriculture)

- (i) जमीन की तैयारी करना, जुताई करना, बिचड़ा तैयार करने के लिए क्यारी बनाना, बीज डालना तथा सिंचाई करना।
- (ii) बिचड़ा उखाड़ना, पौध स्थानान्तरण एवं रोपाई करना।
- (iii) खाद एवं उर्वरक के प्रयोग की जानकारी एवं उनका प्रयोग करना, कीटनाशक दवाई का प्रयोग करना।
- (iv) फसलों की देख-रेख, फसल की कटाई, तैयारी एवं भण्डारण करना, लागत एवं उत्पादन का अभिलेख तैयार करना।

3. गृह विज्ञान (Home Science)

- (i) सामूहिक रसोई, पके भोजन का संरक्षण, भोजन परोसने, पीने के पानी की व्यवस्था, फल काटने एवं बर्तन सफाई में भाग लेना।

- (ii) अचार, चटनी, पापड़, बड़ी, जैम, जैली, सॉस, स्क्वॉश (शर्बत), चिप्स, इनमें से किन्हीं तीन को तैयार करना।
- (iii) चटाई, टोकरी, आसनी एवं पंखा में से किन्हीं दो को तैयार करना अथवा उन से एक बाबा सूट तैयार करना।

4. कोलाज कार्य

- (i) मिट्टी, कार्डबोर्ड एवं स्थानीय वस्तुओं से कई प्रकार के सामान तैयार करना।
- (ii) प्लास्टिक के टुकड़े, रुई, नारियल के रेशे, सिक्की एवं धर्माकोल से सजावटी सामान अथवा अन्य उपयोगी सामान तैयार करना।
- (iii) कल्पना शक्ति के आधार पर नई वस्तुओं का निर्माण करना।
- (iv) विभिन्न माप के लिफाफे तैयार करना तथा कवर फाइल तैयार करना।

5. कटाई एवं सिलाई (Cutting and Tailoring)

- (i) काज बनाना, बटन लगाना, हुक लगाना एवं रफू करना एवं इन सभी का अभ्यास करना।
- (ii) ब्लाउज-पेटीकोट, सलवार-कुर्ता, हाफ शर्ट-हाफ पैण्ट का कागजी नमूना काटना।
- (iii) उपर्युक्त नमूनों में से कपड़े का एक सेट तैयार करना।
- (iv) शॉल में बेल-बूटा एवं कशीदाकारी करना।

6. शारीरिक शिक्षा

- (i) ड्रिल एवं शारीरिक व्यायाम का अभ्यास करना।
- (ii) प्रातःकालीन व्यायाम में भाग लेना।
- (iii) संध्या समय खेल में भाग लेना।
- (iv) गोला फेंकना, चक्का फेंकना, भाला फेंकना एवं तीरन्दाजी में से किन्हीं दो में भाग लेना।
- (v) हॉकी, वॉलीबॉल, बैडमिण्टन, थ्रो बॉल, खो-खो में से कम-से-कम एक में भाग लेना।
- (vi) पद्मासन, हलासन, प्राणायाम (अनुलोम-विलोम), कपालभाती एवं भस्त्रिका में से किन्हीं दो का अभ्यास करना।
- (vii) स्काउट-गाइड क्रियाशीलन में भाग लेना।

पाठ्य-पुस्तकें

ED907	बागवानी	—प्रतिमा त्रिपाठी
ED908	कृषि	—रोली द्विवेदी
ED909	गृह विज्ञान	—रोली द्विवेदी
ED911	कोलाज वर्क	—प्रतिमा त्रिपाठी
ED910	कटाई एवं सिलाई	—स्नेहलता चतुर्वेदी
ED905	शारीरिक शिक्षा	—श्रीकृष्ण पटेल

चतुर्दश पत्र

सामुदायिक जीवन

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

संस्थान में :

1. दैनिक प्रार्थना में भाग लेना।
2. महाविद्यालय परिसर, छात्रावास, शौचालय एवं मैदान की सफाई करना।
3. स्थानीय/राष्ट्रीय महत्व के दिवसों, जयन्तियों एवं प्रमुख उत्सवों का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
4. सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
5. सामूहिक सहभोज का आयोजन कर उसमें भाग लेना।
6. रोगी/बच्चे/मित्र की सहायता एवं जरूरतमन्द व्यक्तियों की सहायता करना।
7. महाविद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्था हेतु समिति का गठन कर उसमें भाग लेना।
8. सेमिनार, कार्यशाला एवं व्याख्यानमाला का आयोजन करना।
9. शैक्षिक चलचित्र/वृत्त चित्र/स्लाइड/सी. डी. के प्रदर्शन का आयोजन करना।
10. वार्षिकोत्सव/वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन करना।

समुदाय में :

1. समुदाय का शैक्षिक सर्वेक्षण कर उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
2. समुदाय में श्रमदान एवं सेवा शिविर का आयोजन करना।
3. ग्रामीण उत्सव एवं कार्यक्रमों में भाग लेना।
4. समुदाय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
5. साक्षरता अभियान एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रमों में सहयोग करना।
6. सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा, प्रौढ़ शिक्षा/साक्षरता, स्वास्थ्य सम्बन्धी शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करना, यथा—नुककड़ नाटक, प्रभात फेरी, रूट मार्च, प्रदर्शनी, पोस्टर तैयारी करना एवं विपकाना आदि।
7. पड़ोसी विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद का आयोजन करना।

निर्देश : महाविद्यालय/संस्थान में उपर्युक्त क्रियाशीलों का सम्पादन सुविधानुसार यथासमय प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के शैक्षिक सत्र में पूरा करेंगे और इसका अभिलेख प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी तैयार करेंगे।
क्रियाशीलों एवं सहभागिता के आधार पर इनका आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

पाठ्य-पुस्तकें